लाला लाजपत राय की जयंती

प्रलिमि्स के लयि:

लाला लाजपत राय, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन

मेन्स के लयि:

लाला लाजपत राय और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने लाला लाजपत राय को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

- लाला लाजपत राय की जयंती प्रतिवर्ष 28 जनवरी को मनाई जाती है।

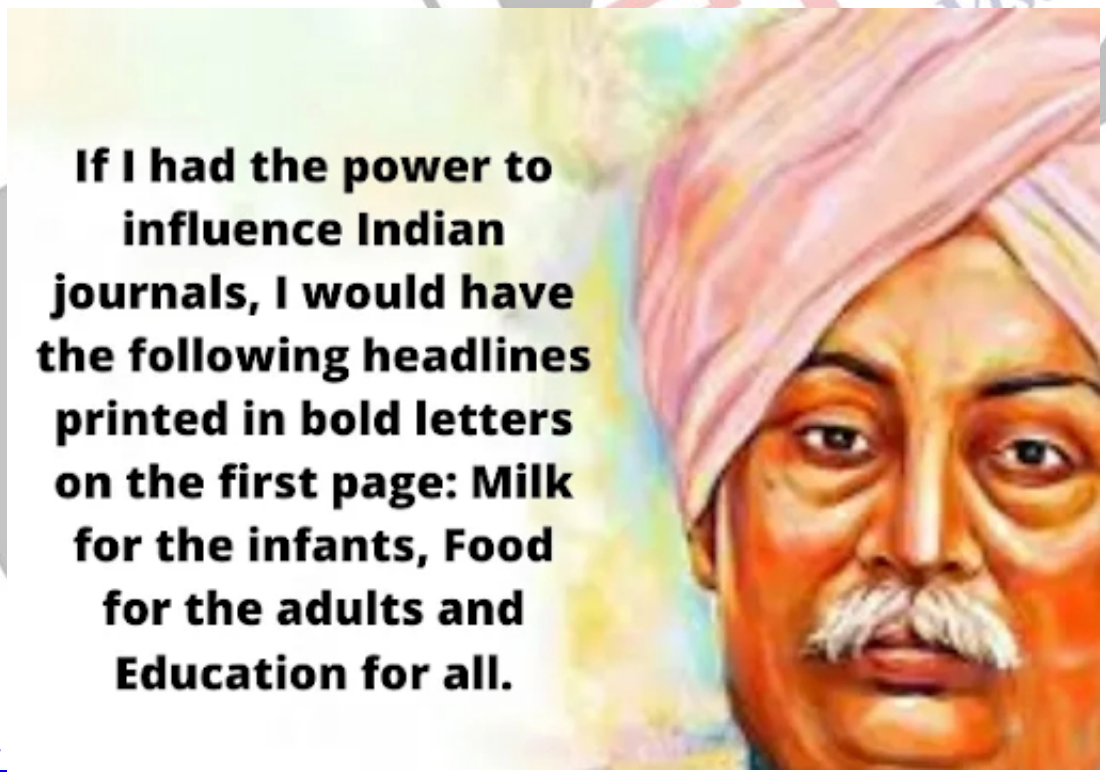

//

प्रमुख बिंदु

- **जन्म:**
  - उनका जन्म 28 जनवरी, 1865 को पंजाब के फिरोज़पुर ज़िले (Ferozepur District) के धुडीके (Dhudike) नामक एक छोटे से गाँव में हुआ था।

- **परचिय:**
    - लाला लाजपत राय भारत के महानतम स्वतंत्रता सेनानयिों में से एक थे।
    - उन्हें 'पंजाब केसरी' (Punjab Kesari) और 'पंजाब का शेर' (Lion of Punjab) नाम से भी जाना जाता था।
    - उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की।
    - वे स्वामी दयानंद सरस्वती से प्रभावति होकर लाहौर में आर्य समाज (Arya Samaj) में शामलि हो गए।
    - उनका वशि्वास था कि हदिू धर्म के आदर्शवाद, राष्ट्रवाद (Nationalism) के साथ मलिकर धर्मनरिपेक्ष राज्य (Secular State) की स्थापना करेगा।
    - बपिनि चंद्र पाल और बाल गंगाधर तलिक के साथ मलिकर उन्होंने चरमपंथी नेताओं की एक तकिड़ी (लाल-बाल-पाल) बनाई।
    - वे हदिू महासभा (Hindu Mahasabha) से भी जुड़े थे।
    - उन्होंने छुआछूत के खलिाफ वरिोध प्रदर्शति कयिा।
- **योगदान:**
    - **राजनीतकि:**
        - वे भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (Indian National Congress- INC) में शामलि हो गए और पंजाब के कई राजनीतकि आंदोलनों में हस्सिा लयिा।
        - राजनीतकि आंदोलनों में हस्सिा लेने के कारण उन्हें वर्ष 1907 में बर्मा भेज दयिा गया था, लेकनि पर्याप्त सबूतों के अभाव में कुछ महीनों बाद वे वापस लौट आए।
        - उन्होने बंगाल वभिाजन का वरिोध कयिा।
        - उन्होंने वर्ष 1917 में अमेरकिा में होम रूल लीग ऑफ अमेरकिा (Home Rule League of America) की स्थापना की और इसके द्वारा अमेरकिा में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लयि नैतकि समर्थन मांगा।
        - वह **अखलि भारतीय ट्रेड यूनयिन कॉन्ग्रेस** (All India Trade Union Congress) के अध्यक्ष भी रहे।
        - उन्होंने वर्ष 1920 में कॉन्ग्रेस के **नागपुर अधविेशन** में गांधी जी के असहयोग आंदोलन (Non-Cooperation Movement) का समर्थन कयिा।
        - उन्होंने **रौलेट एक्ट** (Rowlatt Act) और **जलयिांवाला बाग हत्याकांड** (Jallianwala Bagh massacre) का वरिोध कयिा।
        - उन्हें वर्ष 1926 में केंद्रीय वधिानसभा का उप नेता चुना गया।
        - वर्ष 1928 में उन्होंने साइमन कमीशन के साथ सहयोग करने से इनकार करते हुए वधिानसभा में एक प्रस्ताव रखा क्योंकि आयोग में कसिी भी भारतीय सदस्य को शामलि नहीं कयिा गया था।
    - **सामाजकि:**
        - उन्होंने अकाल पीड़ति लोगों की मदद करने और उन्हें मशिनरयिों के चंगुल से बचाने के लयि वर्ष 1897 में हदिू राहत आंदोलन (Hindu Relief Movement) शुरू कयिा।
        - उन्होंने वर्ष 1921 में सर्वेंट्स ऑफ पीपुल सोसाइटी (Servants of People Society) की स्थापना की।
    - **साहत्यि:**
        - उनके द्वारा लखिति महत्त्वपूर्ण साहत्यिकि कृतयिों में यंग इंडयिा, इंग्लैंड डेब्ट टू इंडयिा, एवोल्यूशन ऑफ जापान, इंडयिा वलि टू फ्रीडम, भगवद्गीता का संदेश, भारत का राजनीतकि भवष्यि, भारत में राष्ट्रीय शक्षिा की समस्या, डप्रिेस्ड ग्लासेस और अमेरकिा का यात्रा वृतांत शामलि हैं।
    - **संस्थागत कार्य:**
        - उन्होंने हसिार बार काउंसलि, हसिार आर्य समाज, हसिार कॉन्ग्रेस, राष्ट्रीय डीएवी प्रबंध समतिि जैसे कई संस्थानों एवं संगठनों की स्थापना की।
        - वह आर्य गजट के संपादक थे, जसिकी स्थापना उन्होंने की थी।
        - वह वर्ष 1894 में पंजाब नेशनल बैंक के सह-संस्थापक थे।
- **मृत्यु:**
    - 1928 में वह लाहौर में **साइमन कमीशन के खलिाफ एक मौन वरिोध का नेतृत्त्व** कर रहे थे, जब **पुलसि अधीक्षक जेम्स स्कॉट द्वारा उन पर क्रूरतापूर्वक लाठीचार्ज** कयिा गया जसिसे लगी चोटों के चलते कुछ सप्ताह बाद ही उनकी मृत्यु हो गई।

स्रोत: पी.आई.बी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lala-lajpat-rai-2022-anniversary